राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

आज वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर तथा मुंगेर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों पर बैठक हुई

पटना, 12 जून 2020

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान के निदेशानुसार आज राजभवन से वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिये राज्य के तीन विश्वविद्यालयों– 1. वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा 2. तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर एवं 3. मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर की शैक्षणिक गतिविधियों पर निर्धारित एजेन्डे के अनुरूप एक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति प्रो॰ देवी प्रसाद तिवारी, मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रंजीत कुमार वर्मा एवं तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के प्रभारी कुलपति प्रो॰ अजय कुमार सिंह ने क्रमशः एन॰आई॰सी॰ आरा, एन॰आई॰सी॰ मुंगेर एवं एन॰आई॰सी॰ भागलपुर से भाग लिया। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिये राजभवन से राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री चैतन्य प्रसाद सहित शिक्षा विभाग एवं राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारियों ने भी भाग लिया।

बैठक में परीक्षा एवं एकेडमिक कैलेण्डर पर व्यापकता से विचार–विमर्श किया गया एवं यह निर्णय लिया गया कि लंबित परीक्षाओं का आयोजन जुलाई–2020 से प्रारंभ कर दिया जायेगा एवं परीक्षा–फल सितम्बर–अक्टूबर, 2020 तक प्रकाशित हो जाएँगे। सभी कुलपतियों को बताया गया कि यू॰जी॰सी॰ से प्राप्त मार्ग–दर्शन के अनुरूप आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए सभी परीक्षाओं के कैलेण्डर पुनर्व्यवस्थित कर लिये जाएँ एवं तदनुरूप परीक्षाएँ आयोजित करा दी जाएँ।

आज की बैठक में संबंधित तीनो कुलपतियों से यह भी कहा गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी परिस्थिति में किसी शिक्षण संस्थान में किसी भी पाठ्यक्रम में निर्धारित सीटों से अधिक नामांकन नहीं लिए जाएँ। सीटों से अधिक नामांकन लेनेवाले संस्था–प्रधान से स्पष्टीकरण पूछते हुए उनके विरूद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की जाये। नामांकन की संपूर्ण प्रक्रिया को ऑन–लाईन ही पूरा कराने को कहा गया। बैठक में कुलपतियों को 'यू॰एम॰आई॰एस॰' के सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित कराने को भी कहा गया।

बैठक में कुलपतियों को कहा गया कि 'कोविड–19' की विशेष परिस्थिति की वजह, शिक्षण–कार्य में आए व्यवधान को दूर करने के लिए 'ऑनलाईन इन्टरेक्टिव लेक्चर्स' की व्यवस्था को तत्परतापूर्वक संचालित किया जाए एवं अधिकाधिक व्याख्यानों की विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोडिंग की जाये। विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए प्रतिदिन एक घंटे अतिरिक्त शिक्षण–व्यवस्था बहाल किये जाने पर विचार चल रहा है– इस बात की भी जानकारी कुलपतियों को दी गई।

आगे पृष्ठ...2 पर

बैठक में शामिल तीनों कुलपतियों को कहा गया कि वे यू॰जी॰ प्रथम वर्ष में नामांकन–कार्यक्रम इस रूप में निर्धारित करें कि बी॰एस॰ई॰बी॰/सी॰बी॰एस॰ई॰/आई॰सी॰एस॰ई॰ के उत्तीर्ण परीक्षार्थी नामांकन हेतु आवेदन कर सकें।

कुलपतियों को कहा गया कि वे जिला प्रशासन से समन्वय बनाकर 'कोरोन्टाईन सेंटर' बनाये गये महाविद्यालय/विश्वविद्यालय भवनों के 'सेनेटाईजेशन' के काम को भी अपने संसाधनों का उपयोग करते हुए यथासमय पूरा करा लें ताकि इनका शैक्षणिक उपयोग आवश्यकतानुसार हो सके।

बैठक में 'शिक्षक–छात्र–युक्तिकरण' के कार्य को भी यथाशीघ्र पूरा कर लिये जाने पर विचार हुआ। सहायक प्राध्यापकों की नियुक्तियों हेतु रोस्टर–क्लीयरेंस कराते हुए रिक्तियाँ शिक्षा विभाग को भेजने के विन्दु पर भी कुलपतियों को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।

तीनों कुलपतियों को ऑनलाईन डिग्री–वितरण करने तथा 'नैड' (National Academic Depository) पर इनकी अपलोडिंग के काम में भी तेजी लाने को कहा गया।

.....